प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर जनवाणी का आठवां वार्षिक समारोह आयोजित

पंतनगर। 26 अगस्त, 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय के संचार केन्द्र में संचालित हो रहे सामुदायिक रेडियो केन्द्र, पंतनगर जनवाणी, का आठवां वार्षिक समारोह कृषि महाविद्यालय के कृषि संचार विभाग के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप, थे। इस कार्यक्रम में गणेशपुर, जिला ऊधमसिंह नगर, के प्रगतिशील कृषक, श्री अविनाश गुप्ता, भारतीय किसान संघ के प्रदेश संरक्षण, डा. डी.एन. मिश्रा एवं संयुक्त निदेशक संचार, डा. एस. के. कश्यप, मंचासीन थे।

डा. प्रताप ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय का सामुदायिक रेडियो केन्द्र पंतनगर जनवाणी, पिछले आठ वर्षों से कार्यक्रमों का अनवरत प्रसारण कर लोगों को जानकारियों का हस्तांतरण कर रहा है, जो इससे जुडे लोगों की लगन एवं मेहनत की वजह से ही सम्भव है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड के ३००० से भी ज्यादा गांव पलायन की वजह से भुतहा गांव में बदलते जा रहे हैं, क्योंकि लगातार पलायन की वजह से पहाड़ की संस्कृति लुप्त होने की कगार पर है। पहाड़ के खेत जंगल में बदलते जा रहे हैं पहाड़ों की सभ्यता समाप्त होती जा रही है। इनके कारणों को जानकर उनके समाधान हेतु जनवाणी से कार्यक्रम प्रसारण करने की शुरूआत करनी चाहिए। डा. प्रताप ने कहा कि देश की तरक्की और विकास में कृषकों की अहम भूमिका रही है, वर्तमान में किसान को नवीन ज्ञान की आवश्यकता है, लेकिन परम्परागत और जैविक खेती को मद्देनजर रखते हुए पंतनगर जनवाणी से कल और आज के किसानों के अनुभवों को कृषकों तक साझा करना चाहिए, ताकि किसान नई परिकल्पना को धारण कर पायें।

श्री अविनाश गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय संचार के अनेक माध्यमों से क्षेत्र के लोगों तक नये शोध, नई तकनीको और कृषि से जुडी हुई जानकारियों का प्रचार प्रसार करता रहता है, लेकिन पंतनगर के सामुदायिक रेडियो केन्द्र से समुदायों को कृषि के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति इत्यादि से संबंधित जानकारी कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदान की जाती है। डा. डी.एन. मिश्रा ने सभी से निवेदन किया कि पंतनगर जनवाणी से लाभ लेने के लिए सभी को अपने आस-पास रेडियो रखना होगा जिससे प्रसारित जानकारियों का समावेश खेती-किसानी और अन्य कार्य में हो पायेगा।

डा. एस.के. कश्यप ने पिछले आठ वर्षों में पंतनगर जनवाणी की निरंतर प्रगति की जानकारी देते हुए इसके आस-पास के समुदाय से जुड़कर उनकी प्रगति में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इसके कई कार्यक्रम स्वयं समुदाय के सदस्यों द्वारा बनाये जाते हैं। डा. कश्यप ने पंतनगर जनवाणी की सफलता में विश्वविद्यालय से अधिक समुदाय के सदस्यों का योगदान बताया।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के साथ-साथ आस-पास के क्षेत्रों से आये पंतनगर जनवाणी के श्रोताओं ने भी अपने विचार प्रकट किये, जिनमें श्री पद्मोलोचन विश्वास, श्री के.पी. सिंह, श्रीमती गीता पपोला, श्रीमती लीलू रानी इत्यादि सम्मिलित थे। पीएचडी की छात्रा प्रज्ञा गोस्वामी ने सामुदायिक रेडियो पर स्नातकोत्तर में किये गये शोध पर अपने अनुभव को बताया। विभिन्न क्षेत्रों में योगदान हेतु समुदाय के लोगों को अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री संजय कुमार ने किया।

पंतनगर जनवाणी के आठवें वार्षिक समारोह में प्रसारण में सहयोग हेतु समुदाय के लोगों को प्रमाण-पत्र प्रदान करते कुलपति डा. तेज प्रताप एवं अन्य।